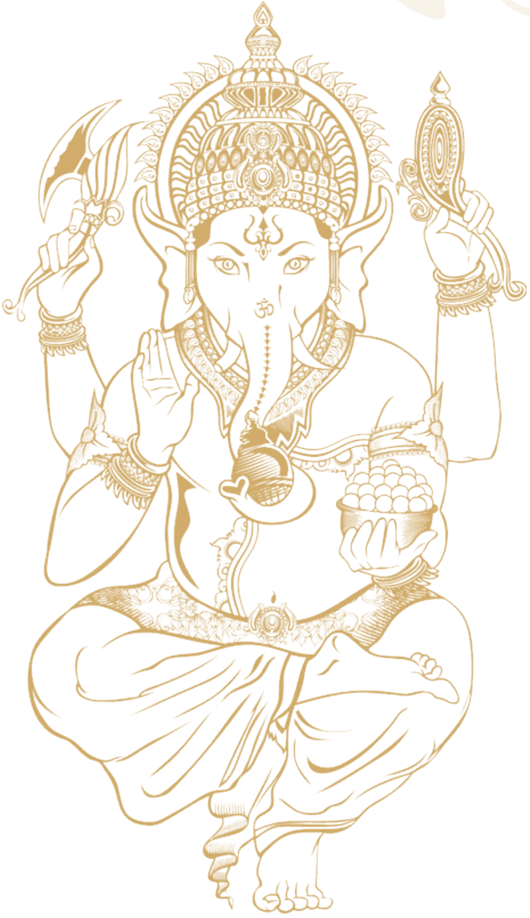

Riv

27 May 2018

12:01 PM

Bhiwani

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/05/2018**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:01:00 घंटे**
इष्ट	16:20:01 घटी
स्थान	**Bhiwani**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:50:00 उत्तर
रेखांश	76:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:35:40 घंटे
वेलान्तर	00:02:52 घंटे
साम्पातिक काल	03:54:45 घंटे
सूर्योदय	05:28:59 घंटे
सूर्यास्त	19:16:13 घंटे
दिनमान	13:47:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	11:49:37 वृष
लग्न के अंश	08:29:31 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	08:29:31	312:35:57	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			वृष	11:49:37	00:57:35	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	14:54:28	12:45:56	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			मक	09:50:00	00:19:05	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध		अ	वृष	00:18:13	02:00:42	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		तुला	22:00:16	00:06:49	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	15:06:03	01:11:19	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	मित्र राशि
शनि	व		धनु	13:51:50	00:03:22	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कर्क	13:51:11	00:10:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	13:51:11	00:10:24	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	06:29:14	00:02:57	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
नेप			कुंभ	22:14:30	00:00:44	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	26:53:51	00:00:55	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			वृष	06:43:13	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:36

लग्न-चलित

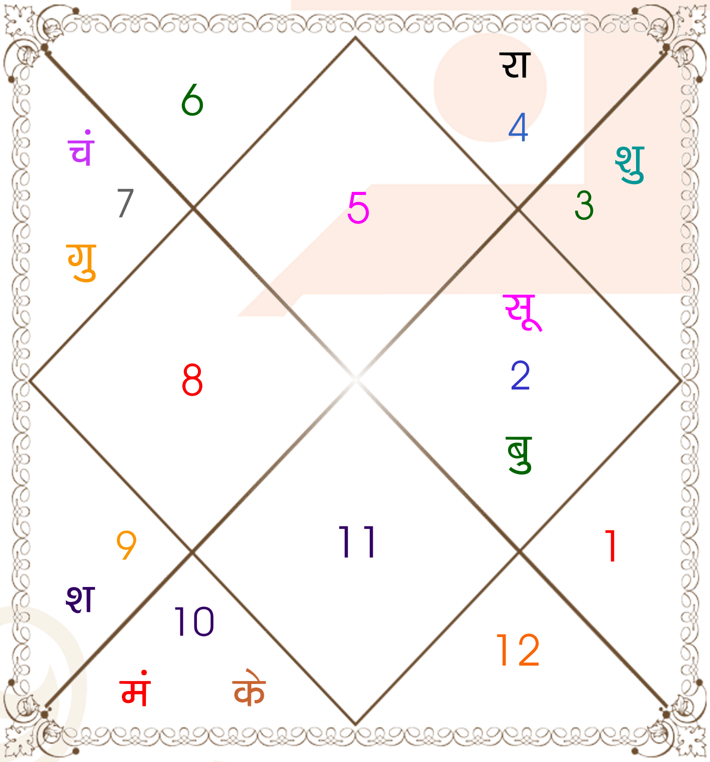

चन्द्र कुंडली

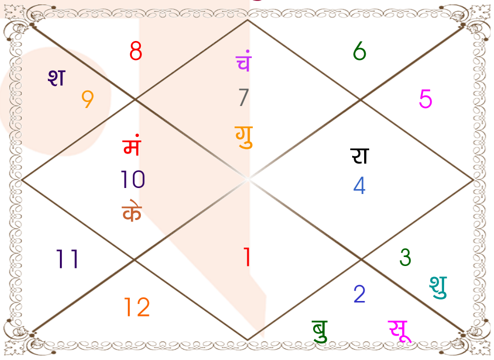

नवमांश कुंडली

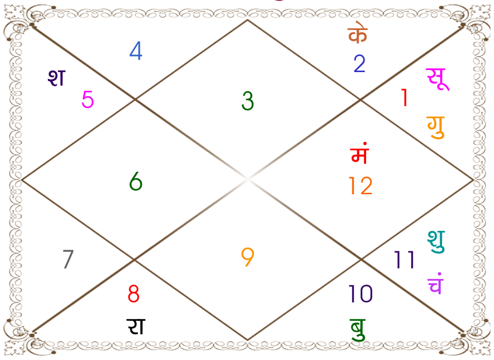

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 10 मास 15 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/05/2018		11/04/2025		11/04/2041		11/04/2060		11/04/2077	
11/04/2025		11/04/2041		11/04/2060		11/04/2077		11/04/2084	
	00/00/0000	गुरु	30/05/2027	शनि	14/04/2044	बुध	07/09/2062	केतु	07/09/2077
	00/00/0000	शनि	10/12/2029	बुध	23/12/2046	केतु	05/09/2063	शुक्र	07/11/2078
	00/00/0000	बुध	17/03/2032	केतु	01/02/2048	शुक्र	05/07/2066	सूर्य	15/03/2079
	27/05/2018	केतु	21/02/2033	शुक्र	02/04/2051	सूर्य	12/05/2067	चंद्र	14/10/2079
केतु	29/10/2018	शुक्र	23/10/2035	सूर्य	14/03/2052	चंद्र	10/10/2068	मंगल	11/03/2080
शुक्र	29/10/2021	सूर्य	10/08/2036	चंद्र	14/10/2053	मंगल	08/10/2069	राहु	30/03/2081
सूर्य	23/09/2022	चंद्र	10/12/2037	मंगल	22/11/2054	राहु	26/04/2072	गुरु	06/03/2082
चंद्र	23/03/2024	मंगल	16/11/2038	राहु	28/09/2057	गुरु	02/08/2074	शनि	15/04/2083
मंगल	11/04/2025	राहु	11/04/2041	गुरु	11/04/2060	शनि	11/04/2077	बुध	11/04/2084

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/04/2084		12/04/2104		12/04/2110		12/04/2120		12/04/2127	
12/04/2104		12/04/2110		12/04/2120		12/04/2127		00/00/0000	
शुक्र	11/08/2087	सूर्य	30/07/2104	चंद्र	11/02/2111	मंगल	08/09/2120	राहु	24/12/2129
सूर्य	10/08/2088	चंद्र	29/01/2105	मंगल	12/09/2111	राहु	26/09/2121	गुरु	18/05/2132
चंद्र	11/04/2090	मंगल	06/06/2105	राहु	13/03/2113	गुरु	02/09/2122	शनि	25/03/2135
मंगल	11/06/2091	राहु	30/04/2106	गुरु	13/07/2114	शनि	12/10/2123	बुध	12/10/2137
राहु	11/06/2094	गुरु	17/02/2107	शनि	11/02/2116	बुध	08/10/2124	केतु	28/05/2138
गुरु	09/02/2097	शनि	30/01/2108	बुध	12/07/2117	केतु	06/03/2125		00/00/0000
शनि	12/04/2100	बुध	05/12/2108	केतु	10/02/2118	शुक्र	07/05/2126		00/00/0000
बुध	11/02/2103	केतु	12/04/2109	शुक्र	12/10/2119	सूर्य	11/09/2126		00/00/0000
केतु	12/04/2104	शुक्र	12/04/2110	सूर्य	12/04/2120	चंद्र	12/04/2127		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 10 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ̇मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।